नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 011
दि. 11.05.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

योगी कैबिनेट का विस्तार, 6 नए चेहरे शामिल: 2 का प्रमोशन, भूपेन्द्र चौधरी- मनोज पांडे बने कैबिनेट मंत्री

(जीएनएस)।

यूपी कैबिनेट का विस्तार हुआ है। इसमें 6 नए चेहरे शामिल किए गए हैं, जबकि दो मंत्रियों का प्रमोशन हुआ है और उन्हें स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। मंत्रियों को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने लोकभवन में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण समारोह में सबसे पहले यूपी बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और पश्चिम यूपी का अहम जाट चेहरा चौधरी भूपेन्द्र सिंह को कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ दिलाई गई। वे वर्तमान में एमएलसी हैं। पश्चिम यूपी में गुर्जर समाज को साधने के लिए ये अहम फैसला माना जा रहा है।

इसके बाद मनोज पांडे ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। बीजेपी का ब्राह्मण चेहरा मनोज पांडे वर्तमान में उच्चाहार से विधायक हैं। वे पहले समाजवादी पार्टी में थे। 2024 में

बगावत कर एसपी छोड़ कर वे बीजेपी में शामिल हो गए।

अजीत पाल सिंह का प्रमोशन हुआ है। वे पाल समुदाय के बड़े नेता हैं। वर्तमान में योगी कैबिनेट में राज्य मंत्री हैं जिन्हें प्रमोशन मिला है और स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। कानपुर देहात के सिकंदरा सीट से बीजेपी विधायक हैं। उन्होंने पद और गोपनीयता की शपथ ली।

सोमेंद्र तोमर का भी प्रमोशन हुआ है और उन्होंने मंत्री स्वतंत्र प्रभार के रूप में शपथ ली। वे 2017 में विधायक बने थे। 1999 से 2004 तक एबीवीपी में रहे। 2022 में पहली बार यूपी के मंत्री बने।

कृष्णा पासवान मंत्रीमंडल विस्तार में महिला चेहरा हैं। वे चौथी बार यूपी की खागा सीट से विधायक चुनी गईं। 2002 में पहली बार विधायक बनी। पासी समुदाय की नेता हैं। उन्हें राज्यमंत्री बनाया गया है।

कैलाश तिवारी ने राज्यमंत्री पद की शपथ ली। 1996 में तिर्वा से विधायक चुने गए। 2007 में बीएसपी ज्वाइन किया फिर 2017 में बीजेपी में आ गए। उन्होंने 1991 में जनता दल से सियासी सफर शुरू की थी।

सुरेन्द्र दिलेर को भी राज्य मंत्री बनाया गया है। ये वाल्मिकी समुदाय से आते हैं। अलीगढ़ की खैरा सीट से विधायक हैं। अक्टूबर 2024 उपचुनाव में उन्होंने जीत हासिल की। सुरेन्द्र दिलेर के पिता और दादा सांसद रह चुके हैं। पिता राजवीर दिलेर हाथरस से सांसद रहे, जबकि दादा किशनलाल दिलेर भी 4 बार सांसद रहे। हंसराज विश्वकर्मा पिछड़े समाज के नेता के रूप में पहचान है। राममंदिर आंदोलन में भी हिस्सा लिया। वाराणसी जिला बीजेपी के अध्यक्ष हैं।

यूपी विधानपरिषद के सदस्य हैं। पूर्व सीएम कल्याण सिंह के करीबी माने जाते थे। बीजेपी में कई पदों पर जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

'जैसे मनमोहन सिंह के समय गुजरात मॉडल बना, वैसे ही तेलंगाना...', मोदी के सामने ये क्या बोल गए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी?

पीएम मोदी ने हैदराबाद को बड़ी सौगात दी है. कांग्रेस के कई बड़े नेता और आला अधिकारियों ने हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्वागत किया. इस दौरान मंच पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी मौजूद रहे.

हैदराबाद में रविवार को पीएम नरेंद्र मोदी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मंच पर एक साथ नजर आए

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कर्नाटक और तेलंगाना एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे. पीएम मोदी ने बेंगलुरु में एक सभा को संबोधित किया, तो वहीं हैदराबाद में भी 9400 करोड़ के प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया है. पीएम मोदी ने विशेष तौर पर हैदराबाद को बड़ी सौगात दी है. बकायदा कांग्रेस के कई बड़े नेता और आला अधिकारियों ने हैदराबाद एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया. इस दौरान मंच पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी मौजूद रहे. इस दौरान एक अजीब नजारा मंच पर देखने को मिला. जब पीएम मोदी मंच

पर थे, तब मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे. उन्होंने 10 सालों में देश के लिए गुजरात मॉडल विकसित किया था. आज तेलंगाना की जनता को भी वैसी ही उम्मीद है. अब जब वह प्रधानमंत्री हैं, तो तेलंगाना की जनता को मुझसे भी वैसी ही उम्मीद है. आने वाले 10 सालों में 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने के लिए एक तेलंगाना मॉडल तैयार होगा. इस दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में देश की कुल आबादी का 3 प्रतिशत से भीकम हिस्सा रहता है. हमारा लक्ष्य है कि जब प्रधानमंत्री का 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का सपना पूरा होगा, तब हम देश की जीडीपी में 10 प्रतिशत का योगदान देंगे. पीएम मोदी बोले- भारत सरकार की बड़ी प्राथमिकता मॉर्डन कनेक्टिविटी रही है इसके अलावा पीएम मोदी ने भी लोगों संबोधित किया. उन्होंने कहा कि बीते 12 सालों में भारत सरकार की बड़ी प्राथमिकता मॉर्डन कनेक्टिविटी भी रही है.

फिर चाहे रोड्स हों, रेलवे हो, एयरपोर्ट्स हो, कनेक्टिविटी के हर मोड पर निवेश किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे में ही लगभग 1.75 लाख करोड़ निवेश किए गए हैं. बीते 11 सालों में तेलंगाना में नेशनल हाइवे का नेटवर्क डबल हुआ है.

पीएम मोदी ने कहा कि आंध प्रदेश से अलग होने से पहले इस क्षेत्र का रेलवे बजट 1000 करोड़ से भी कम था, लेकिन अब अकेले तेलंगाना का रेलवे बजट लगभग 5500 करोड़ है. उन्होंने बताया कि राज्य में 50000 करोड़ की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं.

'वन्दे मातरम' से शपथ ग्रहण की शुरूआत! सीएम विजय का वो बड़ा सियासी दांव, भाजपा और विरोधियों को किया चारों खाने चित

(जीएनएस)।

तमिलनाडु की राजनीति में 10 मई को एक ऐसा ऐतिहासिक पल आया, जिसने न केवल राज्य बल्कि पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। 'थलपति' विजय ने जब मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तो नजारा किसी ब्लॉकबस्टर फिल्म के क्लाइमेक्स जैसा था। हजारों की भीड़ और गूंजते नारों के बीच विजय ने एक ऐसा कदम उठाया, जिसने सीधे तौर पर दिल्ली की सत्ता और बीजेपी को एक बड़ा संदेश दे दिया। कार्यक्रम की शुरूआत आमतौर पर होने वाले 'तमिल थाई वाल्थु' (राज्य गीत) के बजाय 'वन्दे मातरम' के पूरे गान के साथ हुई।

यह सिर्फ एक प्रोटोकॉल का पालन नहीं था, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक चाल मानी जा रही है। विजय ने अपनी शपथ ग्रहण के जरिए यह दिखाने की कोशिश की है कि उनकी पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (TVK) न केवल तमिल अस्मिता का सम्मान करती है, बल्कि राष्ट्रीय प्रतीकों पर भी उतनी ही

तमिलनाडु में अब तक यह परंपरा रही है कि सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत तमिल गौरव के प्रतीक 'तमिल

थाई वाल्थु' से होती है। लेकिन विजय के शपथ ग्रहण में सबसे पहले 'वन्दे मातरम' का पूरा गान हुआ, उसके बाद राष्ट्रगान और फिर राज्य गीत गाया गया। दरअसल केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने हाल ही में एक निर्देश जारी किया था कि औपचारिक सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत का पूर्ण संस्करण बजाना अनिवार्य होगा।

विजय ने इस निर्देश का अक्षरशः पालन करके बीजेपी के उस एजेंडे की हवा निकाल दी, जिसमें विपक्ष पर राष्ट्रगीत के अपमान या उसे अधूरा छोड़ने का आरोप लगाया जाता रहा है। मंच पर विजय के साथ लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद थे। राहुल गांधी लगातार केंद्र के उन आरोपों को खारिज करते रहे हैं कि कांग्रेस ने नेहरू के समय में सांप्रदायिक तुष्टीकरण के लिए 'वन्दे मातरम' के कुछ अंशों को हटा दिया था। विजय के इस कदम से राहुल गांधी को भी उस नैरेटिव को काटने में मदद मिली है।

दिलचस्प बात यह है कि जहां गैर-बीजेपी नेता विजय ने राष्ट्रगीत के प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया, वहीं 09 मई को पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं देखा गया। बंगाल में पहली बार बीजेपी की सरकार बनी और सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह जैसे दिग्गज मौजूद थे, लेकिन वहां 'वन्दे मातरम' के उस पूर्ण गान का वह स्वरूप नहीं दिखा जो विजय के कार्यक्रम में नजर आया।

राजनीतिक विश्लेषक इसे विजय की एक बड़ी जीत के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने बीजेपी के ही मैदान पर उन्हें मात देने की कोशिश की है। विजय ने साबित किया कि वे तमिल राष्ट्रवाद और भारतीय राष्ट्रवाद के बीच एक ऐसा संतुलन बना सकते हैं, जिसे चुनौती देना बीजेपी के लिए भी मुश्किल होगा।

विजय का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब देश 'वन्दे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है।

इस नए बदलाव के तहत अब राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम' को भी राष्ट्रगान 'जन गण मन' के बराबर का दर्जा दे दिया गया है। इसका मतलब यह है कि:

अब अगर कोई 'वन्दे मातरम' का अपमान करता है या इसके गान में बाधा डालता है, तो यह एक संज्ञेय अपराध होगा।

दिल्ली से आई पर्ची पर हुआ यूपी कैबिनेट का विस्तार? अखिलेश यादव ने बताया भाजपा के सीएम का फुल फॉर्म

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में आज का दिन बेहद गहमागहमी भरा रहा। एक तरफ जहां राजभवन में योगी आदित्यनाथ की नई टीम तैयार हो रही थी, वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव के तंज भरे शब्दों के बाण चल रहे थे। 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए किए गए इस मंत्रिमंडल विस्तार ने सियासी पारे को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

योगी सरकार ने अपने मंत्रिमंडल विस्तार में जातियों और क्षेत्रों का ऐसा समीकरण बुना है, जिससे विरोधियों के लिए चुनौती बढ़ गई है। छह नए मंत्रियों के शामिल होने और दो राज्यमंत्रियों के प्रमोशन के साथ भाजपा ने पिछड़े, दलित और सवर्ण वर्ग को एक साथ साधने की कोशिश की है।

जाटलैंड और पश्चिमी यूपीः पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को मंत्री बनाकर भाजपा ने जाटलैंड में अपनी पकड़ और संगठन के अनुभव को तरजीह दी है। वहीं, सोमेंद्र तोमर के प्रमोशन ने गुर्जर समाज के बीच भाजपा की पैठ को और मजबूती दी है।

दलित और पिछड़ा कार्डः सुरेंद्र

दिलेर और चार बार की विधायक कृष्णा पासवान को शामिल कर भाजपा ने दलित वोट बैंक पर अपनी दावेदारी मजबूत की है। कैलाश राजपूत के जरिए लोधी समाज और हंसराज विश्वकर्मा के जरिए पिछड़ों की राजनीति को धार दी गई है।

सपा के 'गढ़' में सेंधः सपा से भाजपा में आए ब्राह्मण चेहरा मनोज पांडेय को मंत्री पद मिलना अखिलेश यादव के लिए बड़ा सियासी झटका माना जा रहा है।

जैसे ही शपथ ग्रहण की खबरें आईं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के जरिए सरकार की घेरेबंदी शुरू कर दी। अखिलेश ने मंत्रिमंडल विस्तार को मात्र एक 'औपचारिकता' करार देते हुए मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोला।

अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए लिखा- 'वैसे भी मंत्रिमंडल के विस्तार में तो इनका कोई काम है नहीं। उधर से पर्ची आएगी, यहां तो सिर्फ. पढ़ी जाएगी। भाजपा राज में वैसे भी उट का मतलब बस Courier-Messenger रह गया है।'

उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा कि भाजपा के नेता फिल्म (सत्ता का खेल) आगे बैठकर देखेंगे या पीछे, लेकिन उन्हें 'कर्मफल' का सिद्धांत याद रखना चाहिए। अखिलेश के इस बयान ने साफ कर दिया कि वे इस विस्तार को दिल्ली के इशारे पर लिया गया फैसला बताकर सरकार की स्वायत्तता पर सवाल उठा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने 'आर्ट ऑफ लिविंग' में श्री श्री रविशंकर जी से मुलाकात की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी बेंगलुरु यात्रा के दौरान 'आर्ट ऑफ लिविंग' के संस्थापक और प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर जी से मुलाकात की।

श्री मोदी ने कहा कि उनकी श्री श्री रविशंकर जी के साथ विभिन्न विषयों

पर उत्कृष्ट चर्चा हुई, विशेष रूप से 'आर्ट ऑफ लिविंग' द्वारा किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से बातचीत हुई।

प्रधानमंत्री ने सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के प्रति श्री श्री रविशंकर जी की प्रतिबद्धता की सराहना की और विभिन्न पहलों के माध्यम से समाज की सेवा में इस संस्थान के प्रयासों को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा;

"आर्ट ऑफ लिविंग में प्रवास के दौरान श्री श्री रविशंकर जी से भेंट हुई। हमने विभिन्न विषयों पर उत्कृष्ट चर्चा की, विशेष रूप से 'आर्ट ऑफ लिविंग' द्वारा किए जा रहे कार्यों पर सार्थक बातचीत हुई।

प्रधानमंत्री ने श्री सी. जोसेफ विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज थिरु सी. जोसेफ विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने उनके नए कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं और राज्य के लोगों के कल्याण और विकास के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ मिलकर काम करने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा;

"तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर श्री सी. जोसेफ विजय को बधाई। उनके आगामी कार्यकाल के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। केंद्र सरकार लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ मिलकर काम करती रहेगी।

आईपीएस अजय पाल शर्मा से बिना शर्त माफी मांगता हूं... टीएमसी से निलंबित प्रवक्ता रिजू दत्ता ने जारी किया वीडियो

मेरी अजय पाल शर्मा से कोई निजी दुश्मनी नहीं है. मैं उनसे माफी मांगता हूं. वो बयान पार्टी लाइन और एक प्रवक्ता को तौर पर था,

(जीएनएस)।

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस से 6 साल के लिए निलंबित किए गए राष्ट्रीय प्रवक्ता रिजू दत्ता ने अजय पाल शर्मा पर दिए अपने बयान पर सफाई दी है. उन्होंने आईपीएस अधिकारी को दिए धमकी और आपत्तिजनक बयान को लेकर माफी मांगी है. रिजू दत्ता ने कहा कि उनका वो बयान पार्टी लाइन और एक प्रवक्ता को तौर पर था, मेरी अजय पाल शर्मा से कोई निजी दुश्मनी नहीं है. मैं उनसे माफी मांगता हूं.

रिजू दत्ता ने एक्स पर एक वीडियो जारी कर कहा, "मैं, तृणमूल

कांग्रेस के प्रवक्ता के रूप में, आईपीएस अजय पाल शर्मा के बारे में एक वीडियो बनाया था. अब मेरी पार्टी ने मुझे सच बोलने के कारण निलंबित कर दिया है. वह क्लिप वायरल हो चुकी है और भाजपा का पूरा आक्रोश व्यक्तिगत रूप से मुझ पर आ रहा है."

उन्होंने कहा, "मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि मैंने वह वीडियो तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में, तृणमूल मुख्यालय से, पार्टी लाइन का पालन करते हुए बनाया था और वह वीडियो तृणमूल कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स से भी जारी किया गया था. यह कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं थी."

पंजाब इलाज के खर्च की चिंता हुई खत्म, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना से सुनीता को मिला नया जीवन

(जीएनएस)।

पटियाला में जब सूरज निकलता था, तब 46 वर्षीय सुनीता रानी उससे कई घंटे पहले ही जाग चुकी होती थीं। उनके लिए नींद लेना मुश्किल हो गया था। कमर के निचले हिस्से में लगातार दर्द रहता था, जो खड़े होते ही शरीर के एक तरफ तेजी से फैल जाता था। हर सुबह उनके पैर पहले से अधिक सूजे हुए होते थे और रसोई तक चलकर जाना भी थकावट भरा हो गया था। वे बीच-बीच में रुक जाती थीं, एक हाथ दीवार पर और दूसरा पेट पर रखकर दर्द कम होने का इंतजार करती थीं।

दर्द के बावजूद सुनीता ने अपने रोजमर्रा के काम जारी रखे और उम्मीद करती रहीं कि समस्या अपने आप ठीक हो जाएगी। लेकिन जब दर्द और सूजन बढ़ने लगी तो परिवार ने उन्हें डॉक्टर के पास जाने के लिए कहा। इसी दौरान उन्हें 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' के तहत मिल रही सुविधाओं के बारे में पता चला, जिसके बाद उन्होंने अपने परिवार सहित पंजीकरण करवाने का फैसला किया।

सुनीता ने तुरंत योजना के तहत पंजीकरण करवाया और अपने परिवार के लिए स्वास्थ्य कार्ड बनवाया। इलाज के लिए उन्हें माता कौशल्या अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने विस्तृत जांच के बाद पता लगाया कि उनके यूरेटर में किडनी स्टोन फंसा हुआ है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि उनकी शुगर और गंभीर सूजन का इलाज किए बिना सर्जरी करना सुरक्षित नहीं होगा।

अपना अनुभव साझा करते हुए सुनीता रानी ने कहा, "जब दर्द असहनीय हो गया तो मैंने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत पंजीकरण करवाया और अपने परिवार का स्वास्थ्य कार्ड बनवाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद किडनी स्टोन की पुष्टि की। मेरा शुगर लेवल बहुत ज्यादा था और शरीर में काफी सूजन थी, इसलिए डॉक्टरों ने पहले इन दोनों समस्याओं को नियंत्रित करने के लिए इलाज शुरू किया।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं नियमित रूप से अस्पताल में चेक-अप के लिए जा रही हूं और डॉक्टर लगातार मेरी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। अब सूजन कम हो गई है और शुगर को नियंत्रित रखने के लिए मेरी दवाइयां भी बदल दी गई हैं।"

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के वारंगल में पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज तेलंगाना के वारंगल में पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया। यह भारत के औद्योगिक और वस्त्र विकास में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि है। 1695.54 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह देश का पहला कार्यरत पीएम मित्र पार्क है और भारत सरकार की 5 एफ परिकल्पना – फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन – को साकार करता है। प्रधानमंत्री ने परियोजना का उद्घाटन करते हुए कहा कि वारंगल स्थित पीएम मित्र पार्क हमारे देश में वस्त्र क्रांति को गति देगा और विशेष रूप से महिलाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

लखनऊ में 40 लाख से होगा दर्जिन तालाब का जीर्णोद्धार, टेंडर प्रक्रिया पूरी; जल्द शुरू होगा काम

(जीएनएस)।

इटौंजा। नगर पंचायत महोना के वार्ड नंबर चार के गोविंदपुरी मोहल्ला के दर्जिन तालाब का कायाकल्प किया जाएगा। इस तालाब का जीर्णोद्धार करके यहां लोगों के बैठने के लिए स्थान विकसित होगा। नगर पंचायत महोना ने तालाब के कायाकल्प के लिए 40 लाख रुपये के प्रस्ताव को स्वीकृत किया है। कार्य के लिए टेंडर भी जारी हो गए हैं।

इस तालाब का रखरखाव न होने के कारण उनमें पानी नहीं बचा है। तालाब में घास व झाड़ियां उगी हैं। तालाब में गंदगी फेंकी जाती है या फिर मवेशी बांधे जाते हैं । जिसमें गंदगी भी पनप रही है । नगर पंचायत महोना के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार ने बताया 40 लाख रुपये की लागत से तालाब का सुंदरीकरण होगा। जिसमें पक्के जीने बनाए जाएंगे। परिसर में पौधरोपण किये जाएंगे। इतना ही नहीं इनलेट आउटलेट भी डाले जाएंगे। बैठने के लिए सीटों का निर्माण होगा। जल संचयन की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी। तालाब की साफ-सफाई भी की जाएगी। पर्यटक की दृष्टिकोण से तालाब का सुंदरीकरण करके सजाया व संवारा जाएगा।

यदि आवश्यक हुआ तो स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाएगी। तालाब की टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। तालाब कितनी जगह में स्थित है। इसकी पैमाइश भी की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी की जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील

नागपुर में 17 और 18 मई को 'जल-संवाद' और 'जलक्रांति' सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे

(जीएनएस)।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि विदर्भ को किसान आत्महत्या के क्षेत्र के कलंक से मुक्त करने और विदर्भ के गाँवों में जल समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए यहां जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना चाहिए।

विदर्भ में जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था के रजत जयंती समारोह के अवसर पर 17 और 18 मई को नागपुर में 'जलसंवाद' (जल संवाद) और 'जलक्रांति' (जल क्रांति) सम्मेलनों का आयोजन किया गया है।

श्री गडकरी आज आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे, जिसमें विधायक चरणसिंह ठाकुर और उमेश यावलकर भी मौजूद थे।

श्री गडकरी ने आगे कहा कि देश में जल की कमी नहीं है; बल्कि जल संसाधनों की उचित योजना और प्रबंधन की कमी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई और कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से जल प्रबंधन संभव है।

उन्होंने बताया कि फार्म तालाबों से निकाली गई मिट्टी का उपयोग अकोला, वाशिम और बुलढाणा जिलों में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया गया है, जिससे पश्चिमी विदर्भ में भूजल स्तर बढ़ा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि क्षेत्र के किसानों ने अपनी फसल पैटर्न बदल ली है। श्री गडकरी ने यह जोर दिया कि गैर सरकारी संगठनों की जल संरक्षण में भागीदारी महत्वपूर्ण है, लेकिन जनता की सक्रिय भागीदारी समान रूप से मूल्यवान है, इसलिए जल संरक्षण को जन आंदोलन बनना चाहिए । उन्होंने आगे कहा कि वारूड-मोरशी और कटोल-नरखेड़ के भूजल-कमी वाले 'डार्क जोन' क्षेत्रों में नदियों और नालों के गहनकरण संबंधी संरक्षण कार्य जनभागीदारी से किए जा रहे हैं और इन प्रयासों से क्षेत्र में जल संरक्षण परियोजनाएँ चलाई जा रही हैं। गडकरी ने स्थानीय स्वशासन निकायों से इन पहलों में महत्वपूर्ण योगदान देने की अपील भी की।

पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था पिछले 25 वर्षों से जल संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। संगठन द्वारा विकसित 'तमस्वदा मॉडल' को देशभर में मान्यता मिल रही है।

संगठन के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में नागपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया गया है। रजत जयंती समारोह दो चरणों में होंगे — 17 मई 2026 को 'नागपुर जलसंवाद-2026' और 18 मई 2026 को 'जलक्रांति सम्मेलन'।

देशभर से प्रमुख जल विशेषज्ञ, पद्म पुरस्कार विजेता और सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियाँ इन आयोजनों में भाग लेने वाली हैं।

रजत जयंती समारोह के पहले दिन, रविवार 17 मई 2026 को दोपहर 4:00 बजे, सिविल लाइन्स के डॉ. वसंतराव देशपांडे सभागार में राष्ट्रीय सम्मेलन 'नागपुर जलसंवाद 2026' का आयोजन होगा।

'जल संरक्षण, किसान आत्महत्या मुक्त विदर्भ विषय का समाधान' पर गहन चर्चा होगी। राष्ट्रीय स्तर का यह सिम्पोजियम विदर्भ में जल संकट को संबोधित करने, सिंचाई समस्याओं के समाधान खोजने और किसानों के लिए आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने का उद्देश्य रखता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी करेंगे। इस अवसर पर डॉ. अनिल प्रकाश जोशी (देहरादून), उमाशंकर पांडे (चित्रकूट) और सेठपाल सिंह (सहारनपुर) जैसी प्रमुख हस्तियाँ विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होकर अपना मार्गदर्शन देंगे।

इसके अलावा, केशोब कृष्ण चत्राधर (असम), संजय कश्यप (वाटर पीस सेंटर), जल विशेषज्ञ श्रीमती स्वेदेविनो नात्सो (नागालैंड) तथा राज्य मंत्री अशीष जायस्वाल और डॉ. पंकज भोयर भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

अगले दिन, 18 मई 2026 को सुबह 11:00 बजे, रेशिमबाग के कविवर्य सूर्यभट सभागार में 'जलक्रांति सम्मेलन' आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में संगठन के 25 वर्षों के विशाल सफर की समीक्षा की जाएगी, जिसमें विदर्भ में 'तमस्वदा पैटर्न' जैसी सफल जल संरक्षण पहल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सम्मेलन की विशेष आकर्षण पानी फाउंडेशन के संस्थापक और प्रसिद्ध अभिनेता आमिर खान, नाम फाउंडेशन के अध्यक्ष नाना पाटेकर और सचिव मकरंद अनासपुरे की उपस्थिति होगी ।

उनके अलावा, महाराष्ट्र के मृदा एवं जल संरक्षण मंत्री संजय राठोड़, डॉ. पंजाबराव देशमुख, कृषि विद्यापीठ के कुलपति डॉ. शरद गडाख तथा गोंडवाना विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रशांत बोकारे भी कार्यक्रम को अपनी उपस्थिति से सम्मानित करेंगे।

विदर्भ से बड़ी संख्या में किसान और ग्राम सरपंचों के जलक्रांति सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है।

18 मई को मुख्य कार्यक्रम के बाद दोपहर 2:30 बजे जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण पर गहन विचार-विमर्श होगा। चर्चा में पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था द्वारा पिछले ढाई दशकों में किए गए कार्यों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

संगठन के अध्यक्ष प्रफुल्लदत्त जामदार और सचिव माधव कोटास्थाने ने नागरिकों से इस महत्वपूर्ण जल संरक्षण आंदोलन में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है।

रजत जयंती समारोह के अवसर पर 'जलपर्व', 'जलक्रांति', 'कृषिकल्याण' और 'कॉरिडोर ऑफ वाटर सिक्योरिटी' जैसी महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन भी प्रमुख अतिथियों द्वारा किया जाएगा।

दिल्ली में नकली मोबाइल एक्सेसरीज सिंडिकेट का भंडाफोड़, क्राइम ब्रांच ने दो को दबोचा

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ओप्पो, वनप्लस और रियलमी जैसी कंपनियों की नकली मोबाइल एक्सेसरीज बनाने और बेचने वाले एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजधानी में सक्रिय एक बड़े संगठित रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जो ओप्पो, वनप्लस और रियलमी जैसे बांड्स के नकली मोबाइल एक्सेसरीज और उत्पादों की सप्लाई और पैकेजिंग में लिप्त था। पुलिस ने तीन गोदाम और एक प्रिंटिंग फैक्ट्री पर छापा मार उन्हें सील कर दिया। वहां से नकली माल और मशीनें बरामद की गई हैं।

डीसीपी क्राइम ब्रांच हर्ष इंदौरा के अनुसार, यह गिरोह चीन व स्थानीय मार्केट से बिना ब्रांड वाले मोबाइल पार्ट्स और एक्सेसरीज थोक में मंगवाता था। इसके बाद दिल्ली में स्थानीय स्तर पर छपे हुए नामी कंपनियों के डिब्बों में इन्हें पैक कर ग्राहकों को लुभाने के लिए उन्हें "ड्यूटी-फ्री" या ओरिजिनल प्रोडक्ट बताकर बाजार में बेच देता था।

क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि मोती नगर और करोलबाग इलाके में नकली सामान की बड़ी खेप तैयार की

जा रही है। एसीपी भगवती प्रसाद के नेतृत्व में इंस्पेक्टर पवन कुमार व एसआइ राजाराम की टीम ने मोती नगर के रामा रोड स्थित एक बेसमेंट में छापा मारा।

वहां संचालित एक प्रिंटिंग प्रेस मिली जिसके जरिये नामी ब्रांडों के लोगो वाले बाक्स छापे जा रहे थे। छापे में ओप्पो, वनप्लस और रियलमी के अधिकृत अधिकारियों को भी शामिल किया गया, जिन्होंने मौके पर ही पुष्टि की कि बरामद सारा सामान नकली है। मौके से आठ मशीनें जब्त की गई जिनका उपयोग ब्रांड नेम छापने और पैकेजिंग के लिए किया जा रहा था।

इनके कब्जे से 10,750 वनप्लस बुलेट वायरलेस नेकबैंड, 8,000 वनप्लस सुपरवूक, पावर एडाप्टर बाक्स, 100-100 बाक्स वन प्लस और रियलमी के ईयरबड्स। हजारों की संख्या में ब्रांडेड डाई शीट्स और प्रिंटिंग फ्रेम्स, दौ हजार से ज्यादा अलग-अलग माडल के ईयर बड्स बरामद किए गए।

इस मामले में पुलिस ने जिन दो आरोपित को गिरफ्तार किया गया है उनमें भरत राम भरत राम,जालौर, राजस्थान का रहने वाला है। शुरू में उन्होंने मुंबई में एक इलेक्ट्रिक हार्डवेयर कंपनी में काम किया। 2021 में वह दिल्ली आ गया और मोबाइल एक्सेसरीज की सप्लाई का काम शुरू कर दिया।

2025 में, उसने खुद ही नकली उत्पाद बनाने का काम शुरू कर दिया, क्योंकि उसने असली और नकली उत्पादों की कीमतों में भारी अंतर देखा था। वह बाजार से बिना लेबल वाली मोबाइल एक्सेसरीज जैसे बड्स, वायरलेस नेक बैंड, एडाप्टर और चार्जर बड़ी मात्रा में खरीदते थे।

इन नकली उत्पादों की पैकेजिंग के लिए वे नकली डिब्बे "खाटू श्याम प्रिंटर्स" से खरीदते थे, जिसका मालिक अमित मिश्रा (फरार) है। इसके बाद वह उन एक्सेसरीज को डिब्बों में डालकर उन पर ब्रांड का नाम अंकित कर बाजार में खुदरा दुकानों पर बेच देता था।

गौतम कुमार, शास्त्री नगर का रहने वाला है। शुरू में उसने सूरत में खुदरा व्यापार में काम किया। इसके बाद ओडिशा के कोरापुट जिले में एक फ्लेक्स शाप में काम किया। 2025 में वह दिल्ली आ गया और मोबाइल एक्सेसरीज की सप्लाई का काम शुरू कर दिया। उसे इस व्यापार में नुकसान हुआ, जिसके बाद उसने खुद ही नकली उत्पाद बनाने का काम शुरू कर दिया।

क्या थम जाएगी महाजंग? ईरान ने पाकिस्तान के हाथ भेजा अमेरिका को 'सीक्रेट' मैसेज

(जीएनएस)।

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा तनाव अब बातचीत की मेज पर आता दिख रहा है। अमेरिका ने जंग खत्म करने के लिए ईरान को 14 शर्तों वाला एक प्रस्ताव भेजा था, जिसका जवाब ईरान ने अब पाकिस्तान के जरिए वॉशिंगटन तक पहुंचा दिया है। इस पूरी प्रक्रिया में पाकिस्तान एक मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है।

ईरान का कहना है कि वह समुद्री सुरक्षा और दुश्मनी खत्म करने के पक्ष में है। अगर यह समझौता सफल होता है, तो लंबे समय से चल रही समुद्री नाकेबंदी खत्म हो सकती है, जिससे दुनिया भर की अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी।

क्या है अमेरिका का 14 सूत्रीय प्रस्ताव?

वॉशिंगटन ने ईरान के सामने कड़ी शर्तें रखी हैं। इस प्रस्ताव के मुताबिक, ईरान को अगले 12 सालों तक यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह रोकना होगा और परमाणु हथियार न बनाने का वादा करना होगा। साथ ही, उसे अपने पास मौजूद भारी मात्रा में संवर्धित यूरेनियम का भंडार अमेरिका को सौंपना होगा। बदले में अमेरिका ने ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को धीरे-धीरे हटाने और उसकी जब्त की गई अरबों डॉलर की संपत्ति को वापस करने का भरोसा दिया है।

पाकिस्तान की भूमिका और समुद्री सुरक्षा

ईरान ने अपना जवाब पाकिस्तान को सौंप दिया है, जो इसे अमेरिका तक पहुंचाएगा। ईरान का मुख्य जोर 'होर्मुज जलडमरूमध्य' और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा पर है। दरअसल, इस इलाके में तनाव के कारण जहाजों की आवाजाही पर बुरा असर पड़ा है। पाकिस्तान भी इस समझौते को जल्द से जल्द पूरा होते देखना चाहता है, क्योंकि तेल की सप्लाई रुकने और समुद्री नाकेबंदी का सीधा असर उसकी अपनी कमजोर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

ईरान का पक्ष और समुद्री नाकेबंदी

ईरान चाहता है कि अमेरिका उसकी समुद्री घेराबंदी को खत्म करे। मध्यस्थों का मानना है कि बातचीत का पहला कदम दोनों देशों के बीच जमीनी दुश्मनी को कम करना होगा। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह व्यापार और सुरक्षा के मामले में सहयोग के लिए तैयार है, बशर्ते उसकी शर्तों को भी तवज्जो दी जाए। इस सौदे के जरिए ईरान अपनी अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना चाहता है, जो लंबे समय से प्रतिबंधों के बोझ तले दबी हुई है।

खर्ग द्वीप पर तेल रिसाव का सच

हाल ही में सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से दावा किया गया था कि ईरान के मुख्य तेल निर्यात केंद्र 'खर्ग द्वीप' के पास भारी मात्रा में तेल का रिसाव (ड्र' छीं') हो रहा है। हालांकि, ईरान की सरकारी तेल कंपनी ने इन खबरों को पूरी तरह से गलत और बेबुनियाद बताया है। ईरान का कहना है कि उसके टर्मिनल्स सुरक्षित हैं और तेल एक्सपोर्ट का काम सामान्य रूप से चल रहा है। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों को लेकर चिंता बनी हुई है।

इजराइल ने चोरी-छिपे इराकी रेगिस्तान में बनाया सैन्य अड्डा, वॉल स्ट्रीट जर्नल का दावा

(जीएनएस)।

वॉल स्ट्रीट जर्नल (WSJ) की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने हवाई अभियान को सफल बनाने के लिए इराकी रेगिस्तान में एक गुप्त सैन्य अड्डा तैयार किया था। यह खुलासा न केवल सैन्य रणनीति के लिहाज से बड़ा है, बल्कि इसने क्षेत्रीय कूटनीति में भी भूचाल ला दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गुप्त ठिकाने का उपयोग इजराइल के विशेष बलों द्वारा रसद केंद्र और बचाव कार्यों के लिए किया गया था।

यह मामला तब और गंभीर हो गया जब इस बेस की गोपनीयता बनाए रखने के लिए इजराइल के बलों ने जांच करने आए इराकी सैनिकों पर हमला कर दिया, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई। इस घटना ने इराक की संप्रभुता और युद्ध में अमेरिका की मौन सहमति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इराकी रेगिस्तान में गुप्त अड्डा

रिपोर्ट बताती है कि फरवरी के अंत में ईरान पर हमला शुरू करने से ठीक पहले इजराइल ने इराक में यह गुप्त बेस बनाया था। यहां इजराइल के

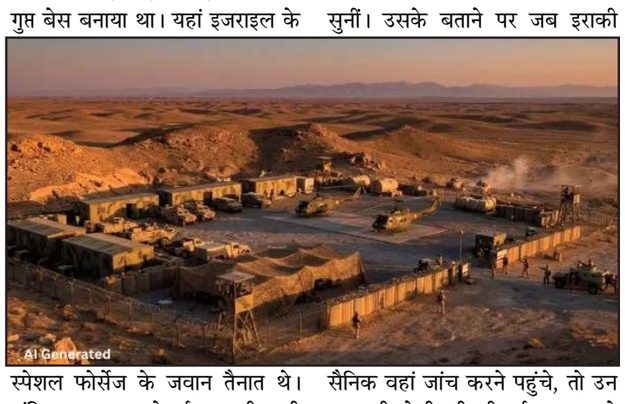

स्पेशल फोर्सेज के जवान तैनात थे। चूंकि इजराइल से ईरान की दूरी 1,600 किलोमीटर से ज्यादा है, इसलिए यह बेस इजराइल के विमानों के लिए एक सुरक्षित ठिकाने और रसद केंद्र के रूप में काम कर रहा था। अगर कोई पायलट ईरान में गिर जाता, तो यहीं से रेस्क्यू टीमें उसे बचाने निकलतीं।

इराकी सैनिकों के साथ खूनी झड़प

मार्च की शुरूआत में एक चरवाहे ने रेगिस्तान में कुछ अजीब सैन्य हलचल और हेलीकॉप्टरों की आवाजें सुनीं। उसके बताने पर जब इराकी सैनिक वहां जांच करने पहुंचे, तो उन पर भारी गोलीबारी की गई। इस हमले में एक इराकी सैनिक की मौत हो गई और दो घायल हुए। शुरूआत में इराक ने इसके लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया क्योंकि वहां विदेशी सैनिकों की मौजूदगी के सबूत मिले थे। इराकी अधिकारियों ने इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है।

ईरान के खिलाफ लंबी दूरी की जंग

इजराइल के लिए ईरान पर सीधे हमला करना भौगोलिक रूप से काफी कठिन था। 1,000 मील की दूरी को तय करने के लिए विमानों को ईंधन और तकनीकी सहायता की जरूरत थी। इस गुप्त बेस ने इजराइल को ईरान के करीब एक 'फॉरवर्ड पोजीशन' दे दी। पांच हफ्ते तक चले इस युद्ध के दौरान इजराइल के विमानों ने हजारों बार ईरान पर हमले किए। इस अड्डे की वजह से इजराइल को युद्ध के दौरान रणनीतिक बढ़त हासिल करने में काफी मदद मिली।

अमेरिका की भूमिका पर छिड़ी बहस

इस खुलासे के बाद अमेरिका के अंदर भी विवाद शुरू हो गया है। कुछ पूर्व अधिकारियों का आरोप है कि इजराइल ने अमेरिका को जबरदस्ती इस युद्ध में घसीटा है, जिससे अमेरिकी बेस पर हमले का खतरा बढ़ गया है। वहीं, ट्रंप प्रशासन के मंत्रियों का कहना है कि उन्होंने जो भी किया वह 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत किया। उनका तर्क है कि अमेरिका अपनी मर्जी से और अपने हितों की रक्षा के लिए इस जंग का हिस्सा बना, न कि इजराइल के दबाव में।

लखनऊ में भाजयुमो कार्यकर्ता पर गोलीबारी करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मेहंदीगंज क्षेत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के एक कार्यकर्ता पर गोली चलाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, हमले में घायल हुए भाजयुमो कार्यकर्ता को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) कमलेश कुमार दीक्षित ने बताया कि आरोपी की पहचान वैभव बाजपेयी (25) के रूप में हुई है, जो व्यापार मंडल से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने बताया कि यह घटना शनिवार को हुई। घायल हुए भाजयुमो कार्यकर्ता की पहचान चेतन तिवारी (30) के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद चेतन को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में हमले की वजह आपसी रंजिश सामने आई है।

इस संबंध में चेतन की पत्नी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्तौल बरामद कर ली गई है। उन्होंने कहा कि घटना व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण हुई।

भाजयुमो, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का आनुषंगिक संगठन है।

गुना में अदाणी का बड़ा धमाका: 1,060 करोड़ के निवेश से बदल जाएगी मध्य प्रदेश की किस्मत?

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में औद्योगिक निवेश को रफ्तार देते हुए अदाणी ग्रुप ने शनिवार को गुना में अपनी नई सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट का भूमि पूजन किया। अदाणी सीमेंट द्वारा विकसित किए जा रहे इस प्रोजेक्ट पर 1,060 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस प्लांट के शुरू होने से करीब 1,500 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

भूमि पूजन समारोह के दौरान प्रणव अदाणी ने कहा कि यह प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पीएम

गति-शक्ति विजन के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और इंडस्ट्रियल सुविधाओं में सुधार के चलते राज्य निवेश के लिए एक मजबूत डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग जगत की हस्तियां मौजूद रहीं।

प्रणव अदाणी ने जोर देकर कहा कि अदाणी ग्रुप फिलहाल एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय है और भारत के दीर्घकालिक विकास में योगदान दे रहा है। उन्होंने भोपाल में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान मध्य प्रदेश में 1.1 लाख करोड़ रुपये के निवेश के वादे को भी दोहराया। यह निवेश हाइड्रो पंप्ड स्टोरेज, सीमेंट, माइनिंग, स्मार्ट मीटर और थर्मल एनर्जी जैसे अलग-अलग सेक्टरों में किया जा रहा है।

कंपनी के मुताबिक, इन निवेशों के जरिए साल 2030 तक करीब 1.2 लाख लोगों के लिए रोजगार के मौके पैदा होने की उम्मीद है।

गुना की इस सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट को दो चरणों में तैयार किया जाएगा, जिसकी कुल सालाना उत्पादन क्षमता 40 लाख मीट्रिक टन होगी। पहले चरण को 2028 तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी ने कहा कि प्रोजेक्ट के काम में रफ्तार और क्वालिटी के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखा जाएगा।

प्रणव अदाणी ने यह भी बताया कि समय के साथ यह प्रोजेक्ट राज्य के खजाने में 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का योगदान देगा। साथ ही, ट्रांसपोर्टेशन, सप्लाई चेन और छोटे व्यवसायों के जरिए स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ी मजबूती मिलेगी।

मध्य प्रदेश में अदाणी ग्रुप की मौजूदगी पहले से ही काफी मजबूत है। कटनी जिले के अमेठा और कैमोर प्लांट में ग्रुप का बड़ा निवेश है। अदाणी पावर फिलहाल राज्य को 1,200 मेगावाट बिजली की सप्लाई कर रहा है, जबकि 5,600 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली उत्पादन क्षमता पर काम चल रहा है। कंपनी ने लाहौरी, धार, रतलाम और उज्जैन में विंड एनर्जी प्रोजेक्ट्स भी शुरू किए हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

जनता हमेशा ऐसे नेताओं की तलाश में रहती है जो उनके कल्याण के लिए काम करे

देश को मिली स्वतंत्रता के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल में शनिवार को भारतीय जनता पाटी (भाजपा) को राज्य में सरकार बनाने का अवसर मिला इसलिए शुभेन्दु अधिकारी को भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बनने का ऐतिहासिक सौभाग्य प्राप्त हुआ। शुभेन्दु अधिकारी की सरकार में जाति और क्षेत्रीय संतुलन को पूरी तरह ध्यान में रखा गया है। मुख्यमंत्री ब्रा१ाण हैं जबकि अग्निमित्रा पाल कायस्थ हैं। अशोक कीर्तनिया मतुआ समुदाय के हैं जो अनुसूचित जाति के हैं। बुद्धिराम टूडू जंगल महल के आदिवासी हैं। निशीथ प्रामाणिक उत्तर बंगाल के प्रभावशाली राजवंशी नेता हैं। दिलीप घोष ओबीसी समाज से आते हैं। इसी तरह क्षेत्रीय आधार देखें तो इस मंत्रिपरिषद में उत्तरी पश्चिम बंगाल से दो जबकि दक्षिण बंगाल से तीन मंत्रियों को शामिल किया गया है। जहां भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री ने अपने पद और गोपनीयता की शपथ के साथ पहली वैबिनेट बैठक में ही चुनाव के समय किए गए वायदे को पूरा करने के संकल्प को पूरा करने की शुरूआत के व्रम में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा राज्य के मुख्य सचिव एवं अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ की, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनजी ने भाजपा को हटाने के लिए सभी विरोधी पार्टियों को एकजुट होने का आ'ान किया। उन्होंने दुश्मन के दुश्मन दोस्त की राजनीतिक वास्तविकता को दरकिनार करके उन वामपंथी विचारधाराओं के लोगों से भी समर्थन मांगा ताकि भाजपा को रोका जा सके। दरअसल भाजपा ने शुरू से ही पश्चिम बंगाल की जनता की समस्याओं को दूर करने का संकल्प लिया और उन्हें दूर करने की जो रणनीति बना रही है, वह समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी साबित होगी। सच तो यह है कि राजनीति में जिस तरह नेताओं की निष्ठाएं किसी एक जगह खूंटे में बंधकर नहीं रहती, ठीक उसी तरह मतदाता मात्र भाषण देने वालों और कल्याणकारी योजनाओं को रोकने वालों को हमेशा समर्थन देने के लिए बाध्य नहीं है। जनता हमेशा ऐसे नेताओं की तलाश में रहती है जो उनके कल्याण के लिए काम करे। भाजपा के सामने सबसे बड़ी समस्या है जन-जन की सुरक्षा सुनिश्चित करना और राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ाना। किन्तु वास्तविकता यह है कि सुरक्षा और रोजगार दोनों एक-दूसरे से बंधे हैं। टीएमसी ने जिस तरह राज्य की सरकारी मशीनरी का राजनीतिकरण किया और राजनीति का अपराधीकरण कर दिया उसी दिन पश्चिम बंगाल विकास में आग लग गईं और वह भस्म हो गईं। कभी राज्य में वामपंथी अपराधियों ने पश्चिम बंगाल में पूंजी निवेशक देशी उद्योगपतियों को सड़कों पर नंगा करके जलील किया तो कभी उद्योगों को कटमनी देने के लिए विवश किया। वही सिलसिला ममता की टीएमसी के अपराधी कार्यंकताओं ने भी किया। इस तरह देश के जाने-माने बिरला, टाटा, किरलोस्कर, ऊषा, डाबर और भारी उद्योगों ने पश्चिम बंगाल से अपना कारोबार समेट लिया। अपराधियों ने राज्य के जूट उद्योग को भी धमका कर चौपट कर दिया। रही सही कसर टीएमसी के चिरवुट नेताओं ने व्यापारियों के मार्वेटिंग कारोबार को भी उगाही और लूट- खसोट करके चौपट कर दिया। इसीलिए जब तक राज्य में कानून व्यवस्था में सुधार नहीं होगा तब तक पश्चिम बंगाल में खुशहाली नहीं आ सकती। इसीलिए बिना किसी राजनीतिक लाभ-हानि की परवाह किए शुभेन्दु अधिकारी सरकार को कठोरता से राजनीति को अपराधियों के चंगुल से छुड़ाकर राजनीतिक कार्यंकताओं की जान बचानी होगी तथा राज्य के व्यापारियों, किसानों और स्थानीय व्यवसाय के क्षेत्र में सव्रिय लोगों को अपनी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करना होगा। एक बार राज्य में कटमनी, टोलाबाजी और अराजकता पर नियंत्रण हो गया तो बड़े उद्योगपति खुद ही पूंजी निवेश करने के लिए आकर्षित होंगे और राज्य दूसरे राज्यों की तरह समृद्ध होगा। शुभेन्दु सरकार को साबित करना होगा कि वह जनता के सच्चे हितैषी हैं और

सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता की किताबें द बेच द बार ऐंड द बिजेम और द लॉ फुल एण्ड द ओव का विमोचन

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता की किताबें The Bench, the Bar, and the Bizarre और The Lawful and the Awful का विमोचन किया

मैं अपनी माता के चरण स्पर्श प्रतिदिन किया करता था, उनके न रहने पर नित्य उनकी तस्वीर के सामने दीप जलाता हूँ, हमारे देश में हर दिन माता को समर्पित है

तुषार मेहता जी ने अपनी पुस्तकों में अदालती जीवन के हास्य, व्यंग्य और मानवीय स्वभाव को सुंदरता से दशार्या है

हमारे देश के लोकतंत्र की जड़ें अत्यंत गहरी हैं, जिसे मजबूत बनाने में संविधान और न्यायपालिका का अत्यंत महत्त्वपूर्ण योगदान है

विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच सुंदर संतुलन और मयार्दा हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती है

आम आदमी की आस्था, समाज का संचालन और राष्ट्र के चरित्र का प्रमाण मजबूत न्याय व्यवस्था है, जिसका विश्वास बनाए रखने में हम एक समाज के नाते सफल हुए हैं

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता की किताबें The Bench, the Bar, and the Bizarre और The Lawful and the Awful का विमोचन किया। इस अवसर पर भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) न्यायमूर्ति श्री सूर्य कांत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि हमारे देश के संविधान की 76 साल की यात्रा में हमने अपने लोकतंत्र की जड़ें काफी गहरी कर ली हैं। हमारी बहुदलीय लोकतांत्रिक संसदीय प्रणाली को हमने निश्चित रूप से मजबूत किया है और 1947 से लेकर आज तक इस देश में संसद और विधानसभाओं के जरिए जितने भी परिवर्तन हुए, वह स्वीकार किए गए। उन्होंने कहा कि यह बताता है कि हमारे लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं और इसमें हमारे संविधान, देश की जनता और हमारी न्यायपालिका का बहुत बड़ा योगदान है।

श्री अमित शाह ने कहा कि देश की जनता को विश्वास है कि अगर उसके साथ कोई अन्याय हुआ, तो संविधान जाग रहा है। अगर उसके अधिकारों पर आघात होगा तो न्याय के द्वार खुले हैं और कहीं भी यदि कमजोर व्यक्ति की आवाज या कमजोर विचार को दबाया जाएगा तो

न्यायालय में आवाज जरूर सुनी जाएगी। इन तीनों मूल चीजों के आधार पर ही हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है और मोटे तौर पर देखें तो न्याय को लेकर आम आदमी की आशा ही समाज का संतुलन और राष्ट्र के चरित्र का महत्वपूर्ण प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस व्यवस्था में भी जो छोटे-छोटे लूप होल्स हैं, उन्हें न्यायपालिका और कार्यपालिका दोनों मिलकर सुधारने का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए कंक्रीट टाइम बाउंड रोड मैप के साथ आगे आना पड़ेगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमारे लोकतंत्र की सुंदरता यह है कि संविधान ने विभिन्न संस्थाएँ एक-दूसरे का विरोध करने के लिए नहीं, परंतु एक-दूसरे को संतुलित करने के लिए बनाए हैं। इस स्पिरिट को हमें सही अर्थ में समझना पड़ेगा। कार्यपालिका निर्णय लेती है। न्यायपालिका उन निर्णयों की संवैधानिक समीक्षा करती है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निमार्ताओं ने संवाद, मयार्दा और संतुलन तीनों को बनाए रखने के लिए बहुत अच्छे तरीके से एक स्पिरिट के साथ संविधान को लिखा है। 76 साल में शायद ही किसी देश ने इन सभी मयार्दाओं को संभालते हुए देश को आगे बढ़ाया होगा। हम सबके लिए बहुत हर्ष का विषय है कि हमारे यहां मोटे तौर पर सारी मयार्दाएं बनी रही और हमने इन परंपराओं को आगे भी बढ़ाया।

गृह मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती टकराव से नहीं, बल्कि संस्थागत संतुलन और पारस्परिक मयार्दाओं से ही होती है। जब मैं पारस्परिक मयार्दा की बात करता हूं तब इसकी स्पिरिट के रूप में हमारे संविधान ने कई जगह पर इसकी स्वीकृति दी है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि हमारे देश में कार्यपालिका और न्यायपालिका एक दूसरे के साथ संतुलित भाव से कार्य कर रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि जब किसी किताब में श्री तुषार मेहता जी की किताब की तरह निष्पक्ष मीमांसा सामने आती है तो हमें अपने बारे, अपने इंस्टीट्यूशन के बारे में और कुल मिलाकर समूचे क्षेत्र के बारे में मीमांसा करके पुनर्विचार करने का बड़ा अवसर प्राप्त होता है। कैसे कभी कोर्ट में कविता की गूंज सुनाई देती है तो कभी काफी सारे जजों के मौलिक अंदाज का भी श्री तुषार मेहता ने अपनी किताब में जिक्र किया है। एक देश में दो जुड़वा बहनों ने वकील और न्यायाधीश बनकर एक-दूसरे की भूमिका कैसे निभाई थी और कभी एक जज ने शिकार करते-करते निर्णय कर दिया, यह सारी चीजें हमें सोचने को मजबूर करती हैं और कोर्ट के गंभीर वातावरण से हमें बाहर भी निकालती हैं। उन्होंने कहा कि श्री तुषार मेहता की किताब एक जिज्ञासु व्यक्ति की तरह दिखाई पड़ती है, जिसमें एआई और आधुनिक तकनीकों, न्यायपालिका के सामने भविष्य में आने वाली चुनौतियों के ठोस उदाहरण हैं। इन चेतावनियों पर हमें विचार करना चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा कि श्री तुषार मेहता ने अपनी किताब में कानून की गंभीरता और मयार्दा बनाए रखते हुए उन्होंने अदालती प्रक्रियाओं में छिपे जीवन, हास्य, व्यंग्य और मानवीय स्वभाव की बहुत सुंदर अभिव्यक्ति बारीकी के साथ की है। उन्होंने कहा कि श्री मेहता ने पुस्तक अपनी मां को समर्पित किया है और आज 'मदर्स डे' के दिन पुस्तक का विमोचन हुआ है। श्री शाह ने कहा कि मैं अपनी माता के चरण स्पर्श प्रतिदिन किया करता था, उनके न रहने पर नित्य उनकी तस्वीर के सामने दीप जलाता हूँ, हमारे देश में हर दिन माता को समर्पित है।

प्रेमानंद जी महाराज से मिले 'कृष्णावतारम' एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता, फिल्म पर बरस रहे नोट, 178% बढ़ी कमाई

(जीएनएस)।

हाल ही रिलीज हुई फिल्म 'कृष्णावतारम' के एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता ने प्रेमानंद जी महाराज संग मुलाकात की तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने फिल्म रिलीज से पहले उनका आशीर्वाद लिया था और खुशी का ठिकाना नहीं है। 'कृष्णावतारम्' बंपर कमा रही है। दूसरे दिन कमाई 178% बढ़ी तो तीसरे दिन 95.7% जंप लगा दिया।

प्रेमानंद जी महाराज से मिले 'कृष्णावतारम' एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता, फिल्म पर बरस रहे नोट, 178% बढ़ी कमाई

हाल ही रिलीज हुई फिल्म 'कृष्णावतारम्ः पार्ट 1' के एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता वृंदावन में प्रेमानंद जी महाराज से मिले और भावुक नोट शेयर किया है। फिल्म रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर छा गई है और रिलीज के दूसरे ही दिन 178% कमाई बढ़ गई। फिल्म की इस बंपर सक्सेस के पीछे सिद्धार्थ गुप्ता प्रेमानंद जी महाराज और भगवान कृष्ण का आशीर्वाद मानते हैं। सिद्धार्थ गुप्ता ने इस फिल्म में कृष्ण भगवान का रोल प्ले किया और बताया कि उनकी मां चाहती थीं कि वह 'कृष्णावतारम्' करने से पहले प्रेमानंद जी महाराज से मिलें और उनका आशीर्वाद लें। बस मां की इसी इच्छा को पूरा करने वह फिल्म की रिलीज से पहले वृंदावन पहुंच गए थे और अब फल सबके सामने है।

सिद्धार्थ गुप्ता ने प्रेमानंद जी महाराज का लिया आशीर्वाद

सिद्धार्थ गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है,

जिसमें वह प्रेमानंद जी महाराज से मिलकर उनका आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं। एक्टर ने उन्हें अपनी फिल्म 'कृष्णावतारम्ः पार्ट 1' का ट्रेलर भी दिखाया था। सिद्धार्थ गुप्ता ने अब फिल्म की रिलीज और उसे मिल रहे दर्शकों के दमदार रिस्पॉन्स के बीच वीडियो शेयर किया है।

सिद्धार्थ ने लिखा- कुछ प्रार्थनाएं अपना रास्ता खुद बना लेती हैं

सिद्धार्थ गुप्ता ने वीडियो के साथ अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा है, 'जय श्री कृष्ण, जिस दिन मुझे 'कृष्णावतारम्' में कृष्ण का किरदार निभाने का अवसर मिला, उस दिन मेरी मां की बस एक ही इच्छा थी कि फिल्म दुनिया तक पहुंचे, उससे पहले तुम पूज्य प्रेमानंद महाराज जी का आशीर्वाद जरूर लेना। उस समय मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि यह कैसे संभव होगा। लेकिन कुछ प्रार्थनाएं अपना रास्ता स्वयं बना लेती हैं। श्रीकृष्ण की कृपा और हमारी पूरी टीम के सामूहिक विश्वास से हमें वृंदावन में महाराज जी से व्यक्तिगत रूप से मिलने, उन्हें हमारा ट्रेलर दिखाने और 'कृष्णावतारम्' के लिए उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। मेरे लिए यह सिर्फ एक पल नहीं था। यह एक स्वप्न की पूर्ति थी। मेरी मां की प्रार्थना का उत्तर था, और जीवनभर साथ रहने वाला आशीर्वाद। हृदय से कृतज्ञ। जय श्री कृष्ण।'

जिस दिन मुझे कृष्णावतारम में कृष्ण का किरदार निभाने का अवसर मिला, उस दिन मेरी मां की बस एक ही इच्छा थी कि फिल्म दुनिया तक पहुंचे, उससे पहले तुम पूज्य प्रेमानंद महाराज जी का आशीर्वाद जरूर लेना। उस समय मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि यह कैसे संभव होगा। लेकिन कुछ प्रार्थनाएं अपना रास्ता स्वयं बना लेती हैं। श्रीकृष्ण की कृपा से हमें महाराज जी से व्यक्तिगत रूप से मिलने, उन्हें हमारा ट्रेलर दिखाने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। कृष्णावतारम एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता का पोस्ट

'कृष्णावतारमः पार्ट 1' कलेक्शन, हर दिन धुआंधार बढ़ रही कमाई

मालूम हो कि 'कृष्णावतारम्' को हार्दिक गुज्जर ने डायरेक्ट किया है। फिल्म का पहला पार्ट 7 मई को थिएटर्स में रिलीज हुआ और छाया हुआ है। फिल्म ने मात्र 42 लाख रुपये की ओपनिंग की थी, जो इसने 510 शोज से कमाए थे, लेकिन दूसरे ही दिन इसने 178% का जंप लगाया और कमाई ₹1.15 करोड़ पहुंच गई। तीसरे दिन तो 'कृष्णावतारम्' ने और कमाल कर दिया। इसकी कमाई में 95.7% का उछाल आया और 1,713 शोज से ₹2.25 करोड़ कमा लिए हैं। सिर्फ तीन दिनों में ही इस फिल्म ने देशभर में ₹4.57 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन और ₹3.82 करोड़ की नेट कमाई कर ली है। जैसा रिस्पॉन्स और 'वर्ड ऑफ माउथ' पब्लिसिटी 'कृष्णावतारम्' को मिल रही है, इसने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कंटेंट ही असली किंग है।

'कृष्णावतारम' की कहानी और कास्ट

'कृष्णावतारम्' में सुष्मिता भट्ट भी हैं, जो राधा के रोल में हैं, वहीं संस्कृति जयना सत्यभामा के किरदार में हैं। इसमें कृष्ण, राधा और सत्यभामा के रिश्ते और भावनात्मक पहलुओं पर रोशनी डाली गई है। इसमें राधा से विदा होने के बाद द्वारका से कुरुक्षेत्र तक भगवान कृष्ण की एक महाकाव्य भक्तिमय यात्रा दिखाई गई है, जो लोगों के साथ उनके गहरे संबंधों, प्रेम, कर्तव्य और जीवन के गहरे अर्थ के बारे में उनके द्वारा साझा किए गए शाश्वत ज्ञान को दशार्ती है। फिल्म में आशुतोष राणा भी हैं, जो नारद के रोल में हैं। वहीं, कुमुद मिश्रा कंस मामा बने हैं और जरीना वहाब देवकी देवी के रोल में हैं।

उर्विल पटेल का तूफान, आईपीएल इतिहास की सबसे तेज फिफ्टी ठोक मचाई तबाही, पर्ची सेलिब्रेशन से जीता दिल

(जीएनएस)।

आईपीएल में एक नया तूफान आया है। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ खेलते हुए चेन्नई सुपर किंग्स के उर्विल पटेल ने अपनी बल्लेबाजी से वो तूफान खड़ा किया कि रिकॉर्ड बुक के पन्ने ही पलट गए। उर्विल ने मात्र 13 गेंदों में अर्धशतक ठोक कर संयुक्त रूप से आईपीएल इतिहास का सबसे तेज पचासा जड़ने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

उर्विल ने इस जादुई आंकड़े के साथ भारतीय स्टार यशस्वी जायसवाल की बराबरी कर ली है। यशस्वी ने साल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में 13 गेंदों में फिफ्टी जड़कर सनसनी फैलाई थी। अब ठीक 3 साल बाद उर्विल पटेल ने उसी करिश्मे को दोहराते हुए खुद को आईपीएल इतिहास के शिखर पर पहुंचा दिया है, फिफ्टी जड़ने के बाद जेब से उन्होंने पर्ची निकाली। उसमें क्या लिखा था, यह जानकारी सामने नहीं आई।

आईपीएल के इतिहास में 14 गेंदों में फिफ्टी जड़ने वाले दिग्गजों की एक लंबी कतार है, लेकिन 13 गेंदों का पहाड़ चढ़ना सिर्फ इन दो भारतीयों के बस की बात रही है। आइए देखते हैं आईपीएल की सबसे तेज टॉप-5 फिफ्टी किन प्लेयर्स के नाम हैं।

13 गेंदः यशस्वी जायसवाल (RR) vs KKR, 2023

13 गेंदः उर्विल पटेल (CSK) vs LSG, 2026

14 गेंदः केएल राहुल (PBKS) vs DC, 2018

14 गेंदः पैट कमिंस (KKR) vs MI, 2022

14 गेंदः रोमारियो शेफर्ड (RCB) vs CSK, 2025

क्यों खास है Urvil Patel पर्ची सेलिब्रेशन?

अपनी ऐतिहासिक फिफ्टी पूरी करने के बाद उर्विल ने जेब से एक पर्ची निकाली और उसे कैमरे के सामने दिखाया। क्रिकेट गलियारों में चर्चा है कि यह उन आलोचकों को जवाब था जो उनकी तकनीक और टीम में चयन पर सवाल उठा रहे थे। अपनी इस पारी से उन्होंने न केवल मैच का पासा पलटा, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि असली दम कागजों पर नहीं, मैदान पर दिखता है। वह 23 गेंदों में 62 रन बना आउट हो गए, इस दौरान उनके बल्ले से 8 छक्के और 2 चौके आए।

घरेलू क्रिकेट में गुजरात का प्रतिनिधित्व करने वाले उर्विल पटेल को इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स ने मात्र 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर अपनी टीम में शामिल किया था। एक अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसने बड़े-बड़े दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है।

केदारनाथ यात्रा की तैयारी कैसे करें? रूट और खर्च की पूरी डिटेल

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में स्थित बाबा केदारनाथ धाम हर साल लाखों श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींचता है। गर्मियों के मौसम में जैसे ही यात्रा शुरू होती है, दिल्ली समेत देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग दर्शन के लिए निकल पड़ते हैं। हालांकि पहाड़ी रास्ते, लंबा सफर और कठिन ट्रेक की वजह से इस यात्रा के लिए पहले से तैयारी करना बेहद जरूरी माना जाता है।

सही रूट, होटल, ट्रांसपोर्ट और बजट की जानकारी होने से यात्रा काफी आसान और आरामदायक हो सकती है। कई लोग कम खर्च में यात्रा पूरी करना चाहते हैं, जबकि कुछ हेलिकॉप्टर या बेहतर होटल के साथ आरामदायक सफर चुनते हैं। ऐसे में अगर आप भी 2026 में दिल्ली से केदारनाथ जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह पूरी जानकारी आपके लिए काम की साबित हो सकती है।

ऊै ३ङ्क डीिल्लंइँ ३१ 2026

दिल्ली से केदारनाथ का पूरा रूट

दिल्ली से केदारनाथ पहुंचने के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला

रूट इस प्रकार हैः

दिल्ली → हरिद्वार → ऋषिकेश → देवप्रयाग → रुद्रप्रयाग → गुप्तकाशी → सोनप्रयाग → गौरीकुंड → केदारनाथ

दिल्ली से गौरीकुंड तक सड़क मार्ग से पहुंचा जाता है। इसके बाद करीब 16 से 18 किलोमीटर का ट्रेक करना पड़ता है। जो यात्री पैदल नहीं जाना चाहते, उनके लिए घोड़ा, पालकी और हेलिकॉप्टर की सुविधा भी उपलब्ध रहती है।

यात्रा के लिए कौन सा समय बेहतर

मई और जून के दौरान सबसे ज्यादा श्रद्धालु केदारनाथ पहुंचते हैं। इस समय मौसम सुहावना रहता है, लेकिन भारी भीड़ भी देखने को मिलती है। वहीं सितंबर और अक्टूबर का समय यात्रा के लिए ज्यादा बेहतर माना जाता है क्योंकि मौसम साफ रहता है और भीड़ भी कम होती है। जुलाई और अगस्त में भारी बारिश और भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए इस दौरान यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है।

पहले दिन हरिद्वार या ऋषिकेश में रुकना बेहतर

दिल्ली से हरिद्वार या ऋषिकेश पहुंचने में करीब 5 से 7 घंटे लग सकते हैं। यहां ट्रेन, वोल्वो बस और निजी कार से आसानी से पहुंचा जा सकता है।

ट्रेन का किरायाः 300 से 1500 रुपये तक

वोल्वो बसः 700 से 1800 रुपये

निजी कार से खर्चः 3500 से 7000 रुपये तक

हरिद्वार और ऋषिकेश में हर बजट के होटल मिल जाते हैं।

बजट होटलः 800 से 1500 रुपये

अच्छे होटलः 2000 से 4000 रुपये

एल्विश यादव को लॉरेंस गिरोह से मिली जान से मारने की धमकी, 10 करोड़ की डिमांड, आखिर कितनी है यूट्यूबर की कमाई?

(जीएनएस)।

फेमस यूट्यूबर और 'बिग बॉस ओटीटी 2' के विनर एल्विश यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले गैंग ने दो दिन में 10 करोड़ रुपये की डिमांड की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह धमकी एक विदेशी वॉट्सऐप नंबर से भेजी गई है, जिससे सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और उनके परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

एल्विश यादव ने पुलिस में

शिकायत भी दर्ज करवाई है। शिकायत के मुताबिक, 5 मई को उन्हें एक विदेशी नंबर से वॉट्सऐप कॉल आया था, जिसे वे उठा नहीं पाए। इसके बाद उसी नंबर से एक मैसेज भेजा गया, जिसमें 10 करोड़ रुपये की मांग की गई थी।

मैसेज में धमकी दी गई कि अगर दो दिनों के भीतर पैसे नहीं दिए गए, तो एल्विश यादव और उनके पिता दोनों को गोली मार दी जाएगी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि भेजने वाले ने खुद को रणदीप मलिक बताया और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा होने का दावा किया। ऐसा ही धमकी भरा संदेश कथित तौर पर एल्विश यादव के पिता को भी भेजा गया था।

धमकी मिलने के बाद, एल्विश यादव ने तुरंत पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। उनकी शिकायत के आधार पर, सेक्टर 56 पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस ने वॉट्सऐप नंबर के सोर्स और भेजने वाले की पहचान की जांच शुरू कर दी है। पुलिस धमकी भेजने के लिए इस्तेमाल किए गए विदेशी वॉट्सऐप नंबर को ट्रैक कर रहे हैं। जांच अधिकारी यह भी पड़ताल कर रहे हैं कि क्या इस धमकी का सीधा संबंध किसी संगठित आपराधिक नेटवर्क से है, या इसका मकसद महज डर और दहशत फैलाना था। पुलिस गहनता से हर पहलू की जांच कर रही है।

सूर्यकुमार यादव ने बेटी का क्या नाम रखा है? मिठाई बांटकर किया खुशी का इजहार

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के घर हाल ही में एक नन्ही परी का आगमन हुआ है। इस खास खुशी को अपने प्रशंसकों के साथ साझा करते हुए सूर्या ने सोशल मीडिया पर अपनी बेटी के नाम का खुलासा कर दिया है। उन्होंने अपनी नवजात बेटी का नाम रिद्धिमा रखा है, जो सुनने में जितना सुंदर है, उसका अर्थ भी उतना ही गहरा और प्यारा है।

संस्कृत मूल के इस नाम का सीधा संबंध समृद्धि और प्रेम से है। रिद्धिमा का अर्थ होता है वह जो प्यार से भरी हो या जिसे प्रेम का झरना कहा जा सके। इसके अलावा यह नाम सुंदरता और संपन्नता का भी प्रतीक माना जाता है। सूर्यकुमार और उनकी पत्नी देविशा शेट्टी ने अपनी बेटी को अपना सबसे बड़ा आशीर्वाद बताते हुए दुनिया से उसका परिचय कराया है।

बेटी के नामकरण की खुशी सूर्यकुमार के चेहरे पर साफ नजर आ रही है। हाल ही में जब वे मुंबई इंडियंस की टीम के साथ मैच खेलने के लिए रायपुर पहुंचे, तो एयरपोर्ट पर उनका एक अलग ही अंदाज देखने

को मिला। उन्होंने वहां मौजूद फोटोग्राफर्स और फैंस का मुंह मीठा कराया। सूर्या ने खुद अपने हाथों से वहां मौजूद लोगों को मिठाइयां बांटीं और अपनी खुशी में उन्हें भी शामिल किया।

खेल के मैदान की बात करें तो सूर्यकुमार यादव के लिए वर्तमान आईपीएल सीजन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन व्यक्तिगत जीवन में मिली इस बड़ी उपलब्धि ने उन्हें और उनके परिवार को नई ऊर्जा से भर दिया है। फैंस भी सोशल मीडिया के जरिए लगातार इस कपल को बधाई दे रहे हैं और नन्ही रिद्धिमा पर अपना ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं।

इस सीजन सूर्यकुमार यादव का बल्ला नहीं चल पाया है। पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करते हुए उन्होंने टीम को जीत दिलाई थी। इससे पहले हार्दिक पांड्या की कप्तानी इ मुंबई इंडियंस को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा था।

दिल्ली : महत्वपूर्ण उच्च-स्तरीय बैठक में देश में संभावित बाढ़ और हीट वेव से निपटने की तैयारियों की व्यापक समीक्षा

आपदाओं पर जारी NDMA के दिशानिर्देशों के राज्य, जिला और नगरपालिका स्तर पर पालन की समीक्षा हो

जल संचय और चेक डैम्स की परियोजनाओं से जल संरक्षण और जलस्तर में सुधार की और अधिक संभावनाओं को तलाशा जाए

CAMPA Fund का इस्तेमाल पर्यावरण संतुलन के लिए किए जा रहे प्रयासों को बहुआयामी बनाने के लिए करें

कम से कम 60 जोखिम भरी झीलों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना पर काम हो, राज्य स्तरीय एकीकृत जलाशय परिचालन सभी राज्यों में लागू हो

मौसम संबंधी पूर्वानुमानों और चेतावनियों का व्यापक और प्रभावी प्रचार-प्रसार हो

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण उच्च-स्तरीय बैठक में देश में संभावित बाढ़ और लीं३ हं५ी से निपटने की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के सहयोग से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में 30 जोखिम भरी झीलों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाए। श्री शाह ने यह भी कहा कि केन्द्र और राज्यों के स्तर पर बाढ़ के पूर्वानुमानों की एक समेकित व्यवस्था होनी चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि देश के हर राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन टीमों (FCMT) का गठन कर इसे सक्रिय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपदाओं पर जारी NDMA के दिशानिर्देशों के माध्यम से बेहतर जागरूकता और 'Whole of Government' दृष्टिकोण विकसित हुआ है, लेकिन राज्य, जिला और नगरपालिका स्तर पर इन दिशानिर्देशों के पालन की समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ठउ्टअ को अध्ययन करना चाहिए कि जंगलों में लगने वाली आग, Heat Wave और बाढ़ से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के निर्देशों और NDMA के दिशानिर्देशों का कितने राज्य पालन कर रहे हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमें Zero Casualty Disaster Management के दृष्टिकोण को अमल में लाने पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि जल संचय और चेक डैम्स की परियोजनाओं से जल संरक्षण और जलस्तर में सुधार की और अधिक संभावनाओं को तलाशा जाए। हमारा उद्देश्य होना चाहिए कि Heat Wave से

कृषि क्षेत्र को न्यूनतम नुकसान हो, साथ ही नदियों पर चेक डैम्स बना कर जल संरक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि CAMPA Fund का इस्तेमाल पर्यावरण संतुलन के लिए किए जा रहे प्रयासों को बहुआयामी (Multi-dimensional) बनाने के लिए किया जाना चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा कि एक ऐसा मास्टर प्लान बनाया जाना चाहिए जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या के कारण मौसम में आ रहे बदलावों और उनकी वजह से बढ़ रही आपदा संबंधी चुनौतियों से Whole of Gvernment तथा Whole of Society दृष्टिकोण अपना कर निपटा जा सके। उन्होंने बैठक में शामिल हुए मंत्रालयों/विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे अब नए-नए ऐप या पोर्टल बनाने के बजाय मौजूद ऐप और पोर्टल को consolidate कर बेहतर बनाने पर ध्यान दें। उन्होंने कहा की मौसम संबंधी पूर्वानुमानों और चेतावनियों का व्यापक और प्रभावी प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आगामी मॉनसून को लेकर हमारे अनुमान और और मॉनसून में होने वाली Casualty एवं हमारे पूर्वानुमान और कृषि क्षेत्र को होने वाले नुकसान का अध्ययन कर इसमें और सुधार करने की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए।

श्री अमित शाह ने बैठक में शामिल हुए मंत्रालयों/विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों और उनके बीच के समन्वय की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि मौसम संबंधी हमारी योजनाएं धरातल तक पहुँचें।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने हेतु तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रत्येक वर्ष केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा बाढ़ पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की जाती है तथा उनके निदेशों के अनुरूप अनेक महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। इनमें भारतीय मौसम विभाग (IMD) और केन्द्रीय जल आयोग (CWC) द्वारा वर्षा एवं बाढ़ पूर्वानुमान की अग्रिम अवधि को 3 दिनों से बढ़ाकर 7 दिन करना तथा हीट वेव पूर्वानुमान के मानकों में सुधार शामिल हैं।

बैठक में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल, केन्द्रीय गृह सचिव, विभिन्न मंत्रलायें के सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के सदस्य एवं विभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) तथा भारतीय मौसम विभाग (IMD) के महानिदेशक, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) एवं केंद्रीय जल आयोग (CWC) के अध्यक्ष सहित राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र (ठРरउ) और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गुजरात से बिहार के लिए लखनऊ होकर गुजरेगी स्पेशल ट्रेन, उधना से एक और जयनगर से दो दिन होगा संचालन

(जीएनएस)।

लखनऊ, यात्रियों की सहूलियत के लिए रेलवे गुजरात से बिहार के बीच लखनऊ होकर स्पेशल ट्रेन चलाएगा। ट्रेन 09041/09042 उधना-जयनगर-सूरत वाया गोरखपुर ग्रीष्मकालीन अनारक्षित स्पेशल का संचालन गुजरात के उधना से 16 मई को होगा। बिहार के जयनगर से 11 और 18 मई को ट्रेन चलेगी।

09041 स्पेशल 16 को उधना से 23:30 बजे चलकर दूसरे दिन सायण से 00:03 बजे, भरुच से 00:36 बजे, वडोदरा से 01:49 बजे, दाहोद से 03:56 बजे, रतलाम से 05:36 बजे, कोटा से 09:30 बजे, सवाई माधोपुर से 10:47 बजे, गंगापुर सिटी से 11:37 बजे, बयाना से 12:42 बजे, ईदगाह आगरा से 15:02 बजे, टूंडला से 16:27 बजे, कानपुर सेंट्रल से 18:57 बजे, मानकनगर से 21:02 बजे, लखनऊ से 21:52 बजे, गोंडा से 23:59 बजे चलेगी। फिर तीसरे दिन बस्ती से 01:31 बजे, गोरखपुर से

03:11 बजे, नरकटियागंज से 06:30 बजे, रक्सौल से 07:25 बजे, सीतामढ़ी से 09:00 बजे, शिशो से 10:55 बजे, सकरी से 11:27 बजे तथा मधुबनी से 12:05 बजे छूटकर जयनगर 13.30 बजे पहुंचेगी।

सभी 22 कोच होंगे अनारक्षित

09042 स्पेशल 11 व 18 मई को जयनगर से 15:00 बजे छूटेगी। यह मधुबनी से 15:37 बजे, सकरी से 16:02 बजे, शिशो से 17:05 बजे, सीतामढ़ी से 18:35 बजे, रक्सौल से 20:20 बजे, नरकटियागंज से 21:10 बजे छूटेगी।

दूसरे दिन गोरखपुर से 01:55 बजे, बस्ती से 03:27 बजे, गोंडा से 05:07 बजे, बाराबंकी से 06:39 बजे, लखनऊ से 08:04 बजे, मानकनगर से 08:49 बजे, कानपुर सेंट्रल से 10:59 बजे, टूंडला से 14:44 बजे, ईदगाह आगरा से 16:04 बजे, बयाना से 18:24 बजे, गंगापुर सिटी से 19:29 बजे, सवाई माधोपुर से 20:16 बजे, कोटा से 21:41 बजे छूटेगी।

तीसरे दिन रतलाम से 01:35 बजे, दाहोद से 03:07 बजे, वडोदरा से 05:17 बजे, भरुच से 06:27 बजे तथा सायण से 07:04 बजे छूटकर सूरत 07:24 बजे पहुंचेगी। ट्रेन में एलएसएलआरडी के दो, पैंट्रीकार का एक, शयनयान श्रेणी के आठ तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी की 11 बोगियों सहित कुल 22 कोच लगाए जाएंगे। यह सभी अनारक्षित श्रेणी के होंगे।

लखनऊ की रुख्सार हसन असकरी ने लंदन की राजनीति में लहराया परचम, सटन वार्ड से जीता चुनाव और बनीं काउंसिलर

(जीएनएस)।

लखनऊ। बैरिस्टर की डिग्री प्राप्त करने के बाद लखनऊ राजधानी की बेटी रुख्सार हसन असकरी ने ब्रिटेन की जमीनी राजनीति में कदम रखा और काउंसिलर का चुनाव जीतकर शहर और देश का नाम रोशन किया है। भारतीय मूल की रुख्सार ने लंदन के सटन वार्ड से काउंसिलर पद का चुनाव बड़े अंतर से जीतकर एक नई उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता से घर वाले भी काफी खुश हैं।

लखनऊ में 28 वर्षीय रुख्सार हसन असकरी का बचपन बीता और उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा यहीं प्राप्त की। उन्होंने ला मार्टिनियर गर्ल्स से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्कृष्ट अंकों से पास की थी। पढ़ाई के साथ-साथ वह खेलों में भी हमेशा आगे रहीं। विशेष रूप से स्विमिंग प्रतियोगिताओं में उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कीं और अपने प्रतिभाशाली व्यक्तित्व की पहचान बनाई।

रुख्सार करीब दस वर्ष पहले लंदन चली गई थीं, जहां उन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की। उन्होंने बैरिस्टर की

डिग्री प्राप्त की और वर्तमान में लंदन की एक प्रतिष्ठित ला फर्म में अपनी सेवाएं दे रही हैं। रुख्सार के पिता का निधन बचपन में ही हो गया था, जिसके बाद उनका पालन-पोषण ननिहाल में हुआ। उनके नाना मिर्जा जलालुद्दीन हैदर कश्मीरी मोहल्ला में दरगाह क्षेत्र के निवासी थे और सम्मानित समाजसेवी और पालीटेक्निक शिक्षक थे।

रुख्सार के मामा डॉ. एसएच रिजवी ने बताया कि रुख्सार शुरू से ही मेधावी छात्रा थी और सामाजिक कार्य में उसका अधिक जुड़ाव था। लोगों के आग्रह पर उन्होंने लंदन में करीब डेढ़ वर्ष पहले लिबरल डेमोक्रेट्स पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। पार्टी से जुड़ने के बाद उन्होंने लगातार सामाजिक कार्य किए और आम लोगों की समस्याओं को मजबूती से उठाया।

समाज के सभी वर्गों के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने के कारण पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए सटन वार्ड सीट से उम्मीदवार बनाया। रुख्सार ने चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 1593 वोट प्राप्त किए। दूसरे स्थान पर रही ग्रीन पार्टी के उम्मीदवार ग्रेग पीटर को केवल 448 वोट मिले।

इस बड़ी जीत से यह साफ जाहिर होता है कि क्षेत्र की जनता ने रुख्सार के कार्यों और व्यक्तित्व पर भरपूर विश्वास जताया है। रुख्सार हसन असकरी की इस उपलब्धि ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे भारतीय समुदाय को गौरवान्वित किया है।

अब संगरिया स्टेशन पर भी रुकेगी बाड़मेर-हरिद्वार एक्सप्रेस, रेलवे ने जारी किया नया शेड्यूल, देखें टाइम टेबल

(जीएनएस)।

सीमावर्ती इलाके संगरिया के लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। लंबे समय से उठ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई और रेलवे प्रशासन ने बाड़मेर-हरिद्वार-बाड़मेर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संगरिया रेलवे स्टेशन पर ठहराव मंजूर कर दिया। इस फैसले के बाद इलाके में खुशी का माहौल है।

लोगों का कहना है कि यह क्षेत्रवासियों की एकजुटता और लगातार किए गए प्रयासों की जीत है। कई दिनों से सामाजिक संगठन, रेल संघर्ष समिति और आम लोग इस मांग को लेकर आवाज उठा रहे थे। रेलवे के नए फैसले से अब यात्रियों को सीधी सुविधा मिल सकेगी और धार्मिक यात्रा भी आसान हो जाएगी।

रेलवे की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक गाड़ी संख्या 04811 बाड़मेर-हरिद्वार द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन हर सोमवार और गुरुवार को शाम 5:53 बजे संगरिया स्टेशन पहुंचेगी।

यहां दो मिनट रुकने के बाद ट्रेन 5:55 बजे आगे रवाना होगी।

वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 04812 हरिद्वार-बाड़मेर स्पेशल ट्रेन मंगलवार और शुक्रवार को दोपहर 3:38 बजे संगरिया पहुंचेगी और 3:40 बजे प्रस्थान करेगी। इस फैसले की पुष्टि जोनल रेल परामर्शदात्री समिति सदस्य अरुण अरोड़ा और स्टेशन अधीक्षक प्रवीण दीक्षित ने की है।

पहले नहीं मिला था ठहराव

शुरूआत में रेलवे द्वारा जारी सूची में संगरिया स्टेशन का नाम शामिल नहीं था। इसके बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ गई थी। लोगों का कहना था कि सीमावर्ती क्षेत्र होने के बावजूद संगरिया की लगातार अनदेखी की जा रही है।

रेल संघर्ष समिति, सामाजिक संगठनों और कई स्थानीय लोगों ने रेल मंत्री, उत्तर पश्चिम रेलवे प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन और ईमेल भेजकर ट्रेन के ठहराव की मांग उठाई थी। लगातार दबाव और जनसंपर्क के बाद रेलवे प्रशासन ने आखिरकार यह फैसला लिया।

यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

संगरिया को धर्म और शिक्षा के केंद्र के रूप में भी जाना जाता है। यहां से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, विद्यार्थी, व्यापारी और आम लोग हरिद्वार समेत कई शहरों के लिए यात्रा करते हैं। ऐसे में इस ट्रेन के ठहराव से यात्रियों का सफर काफी आसान हो जाएगा।

रेल संघर्ष समिति का कहना है कि हनुमानगढ़ मंडी और मंडी डबवाली के बीच राजस्थान सीमा का यह बड़ा स्टेशन है, इसलिए यहां ट्रेन रुकना बेहद जरूरी था।

सामाजिक संगठनों ने किया समर्थन

श्रीहित राधा नाम संकीर्तन मंडल, अखिल भारतीय साहित्यकार संघ और कई अन्य सामाजिक संगठनों ने भी इस मांग का समर्थन किया। समिति ने रेलवे प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और सभी सहयोगी संगठनों का आभार जताया है। साथ ही कहा कि भविष्य में भी क्षेत्र की रेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

बालेन शाह ने कॉपी किया पीएम मोदी का फॉर्मूला! मिले 5,000 सुझाव

(जीएनएस)।

नेपाल की राजनीति में बालेन शाह अपने अनोखे अंदाज के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार उनके एक कदम ने सबको चौंका दिया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर 'मन की बात' या डिजिटल पोर्टल के जरिए बजट से पहले जनता से सुझाव मांगते हैं। अब बालेन शाह ने भी उसी स्टाइल को अपनाते हुए एक पब्लिक पोर्टल लॉन्च किया है।

इस पहल को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और महज 24 घंटे के भीतर 5,000 से ज्यादा लोगों ने अपनी राय भेज दी। लोग इसे सीधे तौर पर पीएम मोदी के 'जन-भागीदारी' मॉडल की कॉपी मान रहे हैं।

जनता बनी असली बजट मेकर

अब तक बजट और सरकारी नीतियां बंद कमरों में अधिकारी तय करते थे। लेकिन बालेन शाह ने इस डिजिटल पोर्टल के जरिए आम नेपाली नागरिक को सीधे सरकार से जोड़ दिया है। चाहे वह देश में हो या विदेश में, हर कोई बता सकता है कि उसे शिक्षा में सुधार चाहिए या स्वास्थ्य में। इस पोर्टल के जरिए सरकार यह दिखाना चाहती है कि अब नीतियां जनता की जरूरतों के हिसाब से बनेंगी, न कि सिर्फ नेताओं की मर्जी से।

शिक्षा और सेहत पर सबसे ज्यादा फोकस

पोर्टल पर आए सुझावों के आंकड़े बताते हैं कि जनता का सबसे ज्यादा ध्यान बुनियादी सुविधाओं पर है। कुल सुझावों में से करीब 950 सुझाव सिर्फ शिक्षा, स्वास्थ्य और विज्ञान से जुड़े हैं। इसके अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर और इकोनॉमी को लेकर भी लोगों ने जमकर अपनी राय दी है। यह साफ दिखाता है कि लोग अब स्मार्ट सिटी के साथ-साथ बेहतर स्कूल और अस्पतालों की भी मांग कर रहे हैं, जो बजट की दिशा बदल सकते हैं।

पोर्टल पर सुझावों की सुनामी

शनिवार शाम को पोर्टल शुरू हुआ और रविवार सुबह तक सुझावों की बाढ़ आ गई। 5,119 लोगों ने इतनी जल्दी रिस्पॉन्स देकर यह साबित कर दिया कि वे देश के विकास में हाथ बंटाना चाहते हैं। इसमें बजट से संबंधित 1,733 और नीति निर्धारण के लिए 2,466 सुझाव शामिल हैं। बालेन शाह की इस डिजिटल पहल ने साबित कर दिया कि अगर जनता को सही मंच मिले, तो वे शासन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

इस पोर्टल की सबसे बड़ी खासियत इसका 'ट्रैकिंग फीचर' है। सिर्फ सुझाव देना ही काफी नहीं है, बल्कि नागरिक यह भी देख सकते हैं कि उनके सुझाव पर सरकार ने क्या एक्शन लिया।

'शाख टूट भी सकती है,' यूपी कैबिनेट विस्तार के बीच पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के निशाने पर कौन?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में रविवार का दिन दो बड़ी वजहों से सुर्खियों में है। एक तरफ जहां लखनऊ के राजभवन में योगी मंत्रिमंडल के विस्तार की तैयारियां अंतिम चरण में हैं, वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के कद्दावर नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने सियासी गलियारों में खलबली मचा दी है।

बृजभूषण ने सत्ता की अनिश्चितता को लेकर एक ऐसी शायरी शेयर की है, जिसे सीधे तौर पर योगी सरकार और बीजेपी नेतृत्व के लिए 'अप्रत्यक्ष चेतावनी' और 'नाराजगी' के तौर पर देखा जा रहा है।

जब पूरा प्रदेश योगी कैबिनेट में शामिल होने वाले नए चेहरों की सूची का इंतजार कर रहा था, तब बृजभूषण शरण सिंह ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर लिखा- 'शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है, जिस शाख पे बैठे हो वो टूट भी सकती है।'

सियासी जानकारों का मानना है कि यह महज शायरी नहीं, बल्कि मंत्रिमंडल चयन में ठाकुर चेहरों की कथित अनदेखी और अपने बेटे प्रतीक भूषण सिंह को जगह न मिलने पर

उपजा दर्द है। फिलहाल, बृजभूषण की इस पोस्ट को लेकर राजनीतिक गलियारों में अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं।

कौन हैं प्रतीक भूषण सिंह? पिता की विरासत के सशक्त उत्तराधिकारी

उत्तर प्रदेश की राजनीति में प्रतीक भूषण सिंह एक ऐसे युवा चेहरे के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने न केवल अपने पिता बृजभूषण शरण सिंह की विरासत को संभाला है, बल्कि अपनी सक्रियता से अपनी एक अलग पहचान भी बनाई है। गोंडा की मिट्टी से जुड़े प्रतीक भूषण सिंह वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेताओं में शुमार किए जाते हैं।

9 मई 1988 को जन्मे प्रतीक भूषण सिंह ने डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (आगरा) से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री हासिल की है। इसके बाद मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया से मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी की। विदेश से लौटने के बाद उन्होंने समाज सेवा और राजनीति के जरिए जनता के बीच अपनी पैठ बनानी शुरू की।

प्रतीक भूषण सिंह ने अपनी चुनावी पारी की शुरूआत साल 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से की। बीजेपी ने उन्हें गोंडा सदर सीट से मैदान में उतारा। अपने पहले ही चुनाव में उन्होंने शानदार जीत दर्ज की और विधानसभा पहुंचे। विधायक बनने के बाद उन्होंने क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं, खासकर बुनियादी ढांचे और ग्रामीण विकास पर अपना ध्यान केंद्रित किया, जिससे वह युवाओं और स्थानीय जनता के बीच बेहद लोकप्रिय हो गए।

2022 की जीत और बढ़ता कद

साल 2022 के विधानसभा चुनावों में प्रतीक भूषण सिंह के सामने अपनी साख बचाने की चुनौती थी, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। उन्होंने गोंडा सदर सीट से लगातार दूसरी बार जीत हासिल कर यह साबित कर दिया कि क्षेत्र की जनता का उन पर अटूट भरोसा है। एक विधायक के रूप में वह विधानसभा में अपने क्षेत्र की समस्याओं को प्रखरता से उठाते रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेंगलुरु दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियों के बीच क्यों मच गया हड़कंप?

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार को बेंगलुरु दौरे से ठीक पहले सुरक्षा एजेंसियों में उस वक्त जबरदस्त हड़कंप मच गया, जब एक तरफ 'आर्ट ऑफ लिविंग' कार्यक्रम और लअछ एयरपोर्ट को उड़ाने की फर्जी धमकी भरी कॉल आई, वहीं दूसरी ओर पीएम के संभावित काफिले के रूट के पास दो जिलेटिन स्टिक्स बरामद हुईं। लगातार सामने आई इन दो घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी और पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। पुलिस, एंटी-सबोटाज टीम और खुफिया एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं और मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई।

कार्यक्रम स्थल से 3 किलोमीटर दूर मिलीं जिलेटिन स्टिक्स

पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध विस्फोटक सामग्री वडेरहल्ली गेट के पास मुख्य सड़क से करीब 20-25 फीट दूर बरामद की गई। यह इलाका प्रधानमंत्री के काफिले के संभावित मार्ग के बेहद करीब बताया जा रहा है। ड्यूटी पर तैनात एक कांस्टेबल ने सबसे पहले संदिग्ध पैकेट देखा, जिसके बाद एंटी-सबोटाज टीम मौके पर पहुंची और दो जिलेटिन स्टिक्स को सुरक्षित तरीके से कब्जे में ले लिया।

बेंगलुरु सेंट्रल रेंज के डीआईजी एस. गिरीश ने पुष्टि की कि बरामदगी

सुरक्षा जांच के दौरान हुई। उन्होंने कहा, "हम जांच कर रहे हैं कि जेलेटिन स्टिक्स सड़क किनारे किसने फेंके थे और इसके पीछे क्या मंशा थी।" मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीमों का गठन किया गया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह विस्फोटक सामग्री ठंꣃ४ल्ल एस्टेट के पास सड़क किनारे मिली, जो पीएम मोदी के संभावित काफिले के रूट पर स्थित था। बेंगलुरु दक्षिण जिले के एसपी आर. श्रीनिवास गौड़ा ने बताया कि स्टिक्स ठकउए रोड जंक्शन से करीब एक किलोमीटर दूर बरामद हुईं।

उन्होंने कहा, "ड्यूटी पर तैनात एक कांस्टेबल को एक परिसर के पास सड़क से लगभग 20-25 फीट दूर एक पैकेट मिला, जिसमें दो जिलेटिन स्टिक्स थीं। विस्तृत जानकारी के लिए आगे जांच की जा रही है।" गौड़ा ने यह भी कहा कि पुलिस अभी यह तय नहीं कर पाई है कि ये स्टिक्स जानबूझकर रखी गई थीं या किसी और वजह से वहां पहुंचीं।

सुबह आई थी धमकी भरी फर्जी कॉल

इसी बीच प्रधानमंत्री के दौरे से पहले रविवार सुबह करीब 7:30 बजे एक और घटना ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी। कोरामंगला निवासी 40 वर्षीय लोहित नामक व्यक्ति ने लअछ एयरपोर्ट और 'आर्ट ऑफ लिविंग' कार्यक्रम स्थल पर धमाके की चेतावनी देते हुए फर्जी कॉल की थी।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरू कर दी। हालांकि शुरूआती जांच में पुलिस का मानना है कि लोहित का जिलेटिन स्टिक्स मिलने की घटना से कोई सीधा संबंध नहीं है।

पहले भी कर चुका है फर्जी कॉल

जानकारी के मुताबिक, आरोपी लोहित का प्रधानमंत्री की बेंगलुरु यात्राओं के दौरान फर्जी धमकी भरे कॉल करने का पुराना रिकॉर्ड रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसे मानसिक रूप से परेशान बताया जाता है। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है और उसके कॉल रिकॉर्ड व गतिविधियों की जांच की जा रही है।

कग्गलीपुरा पुलिस कर रही मामले की गहन जांच

पूरे घटनाक्रम के बाद कग्गलीपुरा पुलिस ने इलाके में सुरक्षा और बढ़ा दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि जिलेटिन स्टिक्स वहां कैसे पहुंचीं, क्या उन्हें किसी साजिश के तहत रखा गया था और इसके पीछे कौन लोग शामिल हो सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को प्रधानमंत्री की सुरक्षा से जुड़ा बेहद संवेदनशील मामला मानकर जांच कर रही हैं।